सिवनी

शब्दबाणों का प्रहार

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

राष्ट्रबाण

संपादक : संजय बघेल

शुक्रवार 20 फरवरी 2026 | E-PAPER: www.rashtrabaan.in ● वर्ष : 10 ● अंक : 294 ● पृष्ठ : 06 ● मूल्य : 5.00 रुपए | www.facebook.com/rashtrabaan | www.twitter.com/rashtrabaan

न्यूज ब्रीफ

सुप्रीम कोर्ट 5 मई से सीएए मामले में अंतिम सुनवाई करेगा

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि नागरिकता संशोधन अधिनियम 2019 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली 200 से ज्यादा याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई 5 मई से शुरू होगी। बेंच ने कहा कि याचिकाकर्ताओं को अपनी दलील रखने के लिए डेढ़ दिन और केंद्र सरकार को एक दिन का समय दिया जाएगा। अदालत ने बताया कि सुनवाई 12 मई तक पूरी कर ली जाएगी इनमें इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग की याचिका भी शामिल है।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी में हथियार के साथ एक शख्स गिरफ्तार

राजौरी। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में पुलिस ने 54 राष्ट्रीय राइफल्स (रोमियो फोर्स) के साथ मिलकर सेहर नौशेरा निवासी सचिन कुमार उर्फ पम्मा को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपी पाकिस्तान स्थित नार्को आतंकी संगठन के सीधे संपर्क में था। उसके पास से 3 मैगजीन के साथ तुर्की में बना एक टिसास जिगाना 9 एमएम पिस्टल, 1 मैगजीन के साथ एक चीनी .30 बोर टीटी-30 नोरिनको पिस्टल और 15 9 एमएम जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। आरोपी के खिलाफ नौशेरा पुलिस स्टेशन में संबंधित धाराओं के तहत स्त्र्कक्र दर्ज की गई है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अमेरिका-सिंगापुर से 505 करोड़ जब्त किए

नईदिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ऑनलाइन गेमिंग ऐप विन्जो से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अमेरिका और सिंगापुर में कार्रवाई की। ईडी ने विदेशी बैंक खातों में जमा 55.69 मिलियन डॉलर (करीब 505 करोड़ रुपए) जब्त किए हैं। ये खाते विदेशी शेल कंपनियों के नाम पर हैं। इस मामले में अब तक कुल 1194 करोड़ रुपए की संपत्ति अटैच और फ्रीज की जा चुकी है। ईडी की जांच में सामने आया है कि कंपनी ग्राहकों को असली खिलाड़ियों की जगह बीजोटीस या एआई प्लेयर के साथ रियल मनी गेम्स खिलाती थी, लेकिन इसकी जानकारी नहीं देती थी।

राष्ट्रबाण

अगर आपको नहीं मिल रहा है आपका लोकप्रिय अखबार राष्ट्रबाण तो आज ही अपने हॉकर से बोलिए या हमे कॉल कीजिए

सिर्फ 100 रुपए महीना

संपर्क : 7000427433

डीपफेक रोकने के लिए एआई कंटेंट पर लेबल लगे: पीएम

एआई समिट में अंबानी ने कहा- डेटा की तरह सस्ता होगा एआई, 10 लाख करोड़ का निवेश करेंगे

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

दिल्ली के भारत मंडपम में चल रहे 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' के चौथे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एआई के सुरक्षित इस्तेमाल का नया फॉर्मूला दिया। पीएम ने कहा कि जैसे खाने के पैकेट पर 'न्यूट्रिशन लेबल' होता है, वैसे ही डिजिटल कंटेंट पर भी 'ऑथेंटिसिटी लेबल' होना चाहिए ताकि फर्क पता चल सके।

वहीं, रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने भारत को 'इंटेलिजेंस युग' में ले जाने के लिए 10 लाख करोड़ रुपए के निवेश का बड़ा एलान किया है। समिट को आज नरेंद्र मोदी और मुकेश अंबानी के अलावा गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई और ओपन एआई के सैम ऑल्टमैन जैसे लीडर्स ने संबोधित किया।

16 फरवरी से शुरू समिट 20 फरवरी तक चलेगी। इसमें आज 110 से ज्यादा देश, 20 से ज्यादा देशों के प्रमुख और करीब 100 सीईओ और फाउंडर्स शामिल हुए हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण की 5 बड़ी बातें

1. एआई में भय नहीं 'भाग्य' और भविष्य: पीएम ने स्पष्ट किया कि दुनिया के कई देशों में जहां एआई को लेकर भय का माहौल है, वहीं भारत इसे अपने 'भाग्य' और उज्ज्वल भविष्य के रूप में देख रहा है। भारत इसे अपनी विकास यात्रा का अगला बड़ा टर्निंग पॉइंट मानता है।

2. एमएएनएवी (मानव) विजन का प्रस्ताव: मोदी ने एआई के लिए एक नया ग्लोबल फ्रेमवर्क दिया। उन्होंने कहा कि एआई मोरल (नैतिक), अकाउंटेबल (जवाबदेह), नेशनल सोवरइंटी (संप्रभुता), एक्सेसिबल (सुलभ) और वैलिड (वैध) होना चाहिए, ताकि यह केवल डेटा पॉइंट न बनकर मानवता के कल्याण का जरिया बने।

3. कंटेंट पर 'ऑथेंटिसिटी लेबल' की जरूरत: पीएम ने सुझाव दिया कि जैसे खाने के सामान पर 'न्यूट्रिशन लेबल' होता है, वैसे ही डिजिटल कंटेंट पर भी स्पष्ट लेबल होना चाहिए। इससे लोगों को पता चल सकेगा कि क्या असली है और क्या एआई द्वारा बनाया गया (फैब्रिकेटेड) है।

4. एआई को 'ओपन सोर्स' बनाएं: भारत ने दुनिया की 'कॉन्फिडेंशियल' सोच से अलग हटकर एआई कोड को 'ओपन शेयर' करने की बात कही। पीएम का मानना है कि जब तकनीक सबके लिए खुली होगी, तभी दुनिया भर के युवा दिमाग उसे बेहतर और सुरक्षित बना पाएंगे।

5. ह्यूमन-सेंट्रिक अप्रोच और नौकरियां: पीएम ने कहा कि एआई नौकरियां खत्म नहीं करेगा बल्कि नए अवसर पैदा करेगा। उन्होंने कहा कि हम ऐसे युग में हैं जहां इंसान और मशीन मिलकर क्रिएट करेंगे। उन्होंने स्किलिंग और रिस्किलिंग को एक 'मास मूवमेंट' बनाने पर जोर दिया।

अंबानी बोले- डेटा की तरह सस्ता होगा एआई

रिलायंस चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा कि जिस तरह जियो ने देश में डेटा सस्ता किया, उसी तरह अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को भी आम भारतीय तक किफायती दरों पर पहुंचाया जाएगा। इस दिशा में जियो और रिलायंस इंडस्ट्रीज अगले सात साल में 10 लाख करोड़ का निवेश करेंगे। मैं एआई को आधुनिक अक्षय पात्र के रूप में देखता हूं, जो अंतहीन पोषण प्रदान कर सकता है।

देश का पहला 'नेक्स्ट जनरेशन' डेटा सेंटर

टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कहा कि टाटा ग्रुप अगली पीढ़ी की एआई ट्रेनिंग और इंफ्रेंस के लिए खास तौर पर तैयार भारत का पहला लार्ज-स्केल 'एआई-ऑप्टिमाइज्ड' डेटा सेंटर बना रहा है। मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि हमने इसकी पहली 100 मेगावाट क्षमता बनाने के लिए ओपन एआई के साथ साझेदारी की है, जिसे आगे चलकर एक गीगावाट तक बढ़ाया जाएगा।

अरबों लोगों की जिंदगी बदलेगा एआई

गूगल भारत में अपने 15 बिलियन डॉलर (1.35 लाख करोड़ रुपए) के इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश के हिस्से के रूप में एक 'फुल स्टैक एआई हब' स्थापित कर रहा है। इस हब में गीगावाट स्केल की कंप्यूटिंग और एक नया इंटरनेशनल सब-सी केबल गेटवे होगा। हर किसी के लिए उपयोगी एआई बनाने के लिए हमें साहसिक कदम उठाने होंगे, क्योंकि यह अरबों लोगों के जीवन को बेहतर बना सकता है ।

ओपनएआई और एंथ्रोपिक ने ग्रुप फोटो में नहीं पकड़ा हाथ : एआई कंपनी ओपनएआई और एंथ्रोपिक के बीच की कॉम्पिटिशन एक बार फिर चर्चा में है। आज इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान एक ग्रुप फोटो ली जा रही थी। इस दौरान ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन और एंथ्रोपिक के को-फाउंडर डारियो अमोदेई एक-दूसरे का हाथ नहीं पकड़ा।

नेमप्लेट पर 'भारत' : जी-20 के बाद फिर दिखा वही संदेश

समिट के प्लेनरी सेशन के दौरान जब प्रधानमंत्री मोदी मंच पर बैठे, तो उनके सामने रखी टेबल पर देश के नाम की नेमप्लेट पर 'भारत' लिखा हुआ था। यह पहली बार नहीं है जब किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का नाम 'भारत' इस्तेमाल किया गया हो। इससे पहले 2024 में दिल्ली में हुए जी-20 समिट में भी पीएम की नेमप्लेट पर 'भारत' लिखा था। उस समय राष्ट्रपति की ओर से भेजे गए न्योता पत्र में भी 'प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया' की जगह 'प्रेसिडेंट ऑफ भारत' लिखा गया था, जिस पर काफी चर्चा हुई थी।

ब्रिटेन में किंग चार्ल्स के भाई एंड्रयू गिरफ्तार

एपस्टीन मामले में नाम, 17 साल की लड़की से रेप का आरोप; शाही घर भी छीना जा चुका

राष्ट्रबाण | लंदन | एजेंसी | rashtrabaan.in

ब्रिटेन में किंग चार्ल्स के भाई एंड्रयू को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्हें सार्वजनिक पद पर रहते हुए गलत बर्ताव के शक में पकड़ा गया है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने उन्हें गुरुवार सुबह करीब 8 बजे सैंड्रिंघम में उनके घर से हिरासत में लिया। बता दें कि एंड्रयू का आज ही जन्मदिन है।

दरअसल, एपस्टीन मामले में पीड़िता रही वर्जीनिया गिफ्रे ने आरोप लगाया था कि 2001 में जब वह 17 साल की थी तब प्रिंस एंड्रयू ने उनका यौन शोषण किया था। हालांकि, एंड्रयू ने गिफ्रे के सभी आरोपों को खारिज किया था। गिफ्रे की अप्रैल 2025 में मौत हो गई थी। इसकी वजह आत्महत्या बताई गई थी।

एंड्रयू को उम्रकैद की सजा हो सकती है

इंग्लैंड में सार्वजनिक पद पर रहने हुए कदाचार गंभीर अपराध माना जाता है। इस अपराध में यह साबित होना जरूरी है कि व्यक्ति को पता था कि वह गलत कर रहा है, फिर भी उसने ऐसा किया। इस अपराध में अधिकतम सजा उम्रकैद हो सकती है। इस मामले की सुनवाई सिर्फ गंभीर आपराधिक आरोप के तहत अदालत में की जा सकती है।

माना जा रहा है कि यह मामला उस समय से जुड़ा है जब एंड्रयू ब्रिटेन के ट्रेड एनवॉय (व्यापार दूत) थे। वह 2001 में इस पद पर नियुक्त हुए थे, लेकिन 10 साल बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। उस समय उनका नाम अमेरिकी अपराधी जेफ्री एपस्टीन के साथ संबंधों को लेकर विवादों में आया था। अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट की तरफ से जारी दस्तावेजों में बताया गया था कि पद पर रहते हुए एंड्रयू का एपस्टीन से संपर्क था।

किंग चार्ल्स बोले- कानून अपना काम करेगा

किंग चार्ल्स ने अपने छोटे भाई एंड्रयू की गिरफ्तारी पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा है कि कानून को अपना काम करने दिया जाएगा। अब आगे इस मामले की पूरी, निष्पक्ष और सही तरीके से जांच की जाएगी और यह काम संबंधित अधिकारी करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक जांच चल रही है, इस मामले पर आगे टिप्पणी करना ठीक नहीं होगा। वहीं एंड्रयू गिरफ्तारी की घोषणा से पहले जब प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से सवाल किया गया, तो उन्होंने बीबीसी से कहा कि कानून से ऊपर कोई नहीं है, जिसके पास भी कोई जानकारी है, उसे गवाही देनी चाहिए।

बिना अनुमति देश छोड़कर नहीं जाऊंगा : अनिल अंबानी

40 हजार करोड़ के बैंक फ्रॉड केस में सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा, जांच में सहयोग भी करेंगे

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

अनिल अंबानी ने 19 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दाखिल किया है। इसमें उन्होंने वचन दिया है कि वे अदालत की अनुमति के बिना भारत छोड़कर नहीं जाएंगे। यह हलफनामा उनके रिलायंस अनिल धीरूभाई अंबानी ग्रुप की कंपनियों से जुड़ी 40,000 करोड़ रुपए की बैंक धोखाधड़ी की जांच के बीच आया है।

अंबानी ने अदालत को यह भी भरोसा दिलाया है कि वे ईडी और सीबीआई द्वारा की जा रही जांच में पूरी तरह से सहयोग करेंगे। ये दोनों एजेंसियां अनिल धीरूभाई अंबानी ग्रुप की कंपनियों के खिलाफ जांच कर रही हैं। वकील मुकुल रोहतगी की तरफ से किए मौखिक वादे की पुष्टि मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार की।

दावा- ईरान पर इस हफ्ते हमला कर सकता है अमेरिका

वॉशिंगटन/तेहरान। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बहुत तेजी से बढ़ रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस हफ्ते अमेरिका ईरान पर हमला कर सकता है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से इसे अंतिम मंजूरी मिलना बाकी है। मिडिल ईस्ट में अमेरिका ने 2003 के इराक युद्ध के बाद अपनी सबसे बड़ी एयर फोर्स तैनात की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका ने मिडिल ईस्ट में एफ-35, एफ-22, एफ-15 और एफ-16 जैसे एडवांस्ड फाइटर जेट्स की कई स्क्वॉड्रन तैनात की हैं। बड़े पैमाने पर एयर ऑपरेशन के लिए जरूरी कमांड एंड कंट्रोल एयरक्राफ्ट भी भेजे जा रहे हैं। हाल के हफ्तों में एयर डिफेंस सिस्टम भी इलाके में लगाए गए हैं।

रेस्टोरेंट्स ने 70,000 करोड़ की बिरयानी बिक्री छिपाई

कैश बिल डिलीट कर करोड़ों की टैक्स चोरी ; एआई से बिलिंग सॉफ्टवेयर की जांच में खुलासा

राष्ट्रबाण | हैदराबाद | एजेंसी | rashtrabaan.in

हैदराबाद में बिरयानी रेस्टोरेंट चेन की जांच करते हुए इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने देशभर में फैले एक बड़े टैक्स चोरी घोटाले का खुलासा किया है। विभाग का दावा है कि 2019-20 से अब तक कम से कम ज़70,000 करोड़ की बिरयानी बिक्री छिपाई गई। हैदराबाद जांच यूनिट ने देशभर के करीब 1.77 लाख रेस्टोरेंट में इस्तेमाल हो रहे एक बिलिंग सॉफ्टवेयर के 60 टेराबाइट ट्रांजैक्शन डेटा का विश्लेषण किया। अधिकारियों के मुताबिक यह सॉफ्टवेयर बाजार के करीब 10% हिस्से को कंट्रोल करता है।

जांच में पाया गया कि कई रेस्टोरेंट ग्राहकों से रुपए लेने के बाद सिस्टम से बिल डिलीट या एडिट कर रहे थे। देशभर में इस सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करने वाले रेस्टोरेंट ने 13,000 करोड़ रुपए से ज्यादा के बिल मिटा दिए। जांच में हाई-कैपेसिटी सिस्टम और एआई टूल्स का इस्तेमाल हुआ। इनमें जेनरेटिव एआई भी शामिल है। तस्ज्ञ नंबर और ऑनलाइन पब्लिक रिकॉर्ड के जरिए रेस्टोरेंट की पहचान मिलाई गई। जांच की शुरुआत हैदराबाद, विशाखापट्टनम और आसपास के शहरों से हुई थी। बाद में मामला बड़ा होने पर इसे पूरे देश में बढ़ाया गया।

रेस्टोरेंट में कैसे काम करता था टैक्स चोरी का खेल

जांच अधिकारियों के मुताबिक, आमतौर पर रेस्टोरेंट अपने ग्राहकों से कार्ड, यूपीआई और कैश से मिलने वाले सभी पेमेंट सॉफ्टवेयर में दर्ज करते हैं ताकि स्टाफ कोई गड़बड़ी न करे। लेकिन जांच में सामने आया कि मालिक खुद बिलिंग सॉफ्टवेयर का गलत इस्तेमाल कर रहे थे। इनमें सबसे आम तरीका था केवल कैश बिल डिलीट करना, क्योंकि आईटी विभाग के लिए कैश ट्रांजैक्शन को ट्रैक करना मुश्किल होता है। दूसरा तरीका था चुनिंदा तारीखों के सभी बिल एक साथ मिटा दे।

गगनयान मिशन के ड्रोग पैराशूट का क्वालिफिकेशन टेस्ट सफल

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान के लिए ड्रोग पैराशूट का क्वालिफिकेशन लेवल लोड टेस्ट सफलतापूर्वक पूरा हुआ। क्वालिफिकेशन लेवल टेस्ट में अधिकतम उड़ान भार से ज्यादा लोड डालकर पैराशूट की मजबूती और सुरक्षा मार्जिन की जांच की गई।

इस टेस्ट के बाद पक्का हुआ कि भारत मजबूत और बड़ी क्षमता वाले रिबन पैराशूट को डिजाइन और बनाने में पूरी तरह सक्षम है। साथ ही पैराशूट असली मिशन जैसी परिस्थितियों में भी सुरक्षित और ठीक तरह से काम करेगा।

गगनयान मिशन में अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित पृथ्वी पर वापस लाने के लिए ड्रोग पैराशूट बहुत जरूरी है। जब कैप्सूल पृथ्वी के वातावरण में लौटता है, तो यही पैराशूट उसकी तेज गति को कम करने में मदद करता है।

यह टेस्ट बुधवार (18 फरवरी) को चंडीगढ़ स्थित टर्मिनल बैलिस्टिक्स रिसर्च लेबोरेटरी (टीबीआरएल) की रेल ट्रैक रॉकेट स्लेड (आरटीआरएस) सुविधा में किया गया। यह डायनेमिक टेस्ट डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन की स्पेशल हाई-स्पीड एयरोडायनेमिक और बैलिस्टिक मूल्यांकन सुविधा आरटीआरएस में पूरा हुआ।

इसमें इंडियन स्पेस रिसर्च आर्गनाइजेशन के विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर, डीआरडीओ की एरियल डिलीवरी रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट और टीबीआरएल की टीमों ने भाग लिया।

मुफ्त बिजली-पानी देने से काम करने की आदत ही खत्म हो जाएगी ; सरकारें रोजगार दें

फ्री खाना मिलेगा तो लोग काम क्यों करेंगे: सुप्रीम कोर्ट

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को फ्रीबीज कल्चर (मुफ्त की रेवड़ियां) पर कहा कि अगर सरकार लोगों को सुबह से शाम तक फ्री खाना, गैस और बिजली देती रहेगी तो लोग काम क्यों करेंगे। ऐसे तो काम करने की आदत खत्म हो जाएगी। सरकार को रोजगार देने पर फोकस करना चाहिए।

कोर्ट ने कहा कि गरीबों की मदद करना समझ में आता है, लेकिन बिना फर्क किए सबको मुफ्त सुविधा देना सही नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड की याचिका पर सुनवाई करते हुए की। इसमें कंज्यूमर्स की फाइनेंशियल हालत की परवाह किए बिना सभी को फ्री बिजली देने का प्रस्ताव था।

सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि देश के ज्यादातर राज्य राजस्व घाटे में हैं और फिर भी वे विकास को नजरअंदाज करते हुए मुफ्त की घोषणाएं कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉरपोरेशन की याचिका पर सुनवाई कर रहा था। कंपनी ने 2024 के विद्युत संशोधन नियमों के नियम 23 को चुनौती दी है। इसमें उपभोक्ताओं की आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना सभी को मुफ्त बिजली देने का प्रस्ताव है।

सीजेआई सूर्यकांत के 3 कमेंट

- आपको लोगों के लिए रोजगार के रास्ते बनाने चाहिए, ताकि वे कमा सकें और अपनी इज्जत और आत्म सम्मान बनाए रख सकें। जब उन्हें एक ही जगह से सबकुछ मुफ्त मिल जाएगा तो लोग काम क्यों करेंगे। क्या हम ऐसा ही देश बनाना चाहते हैं?
- अचानक चुनाव के आस-पास स्कीम क्यों अनाउंस की जाती हैं? अब समय आ गया है कि सभी पॉलिटिकल पार्टियां, नेता फिर से सोचें। अगर हम इस तरह से उदारता दिखाते रहे तो हम देश के डेवलपमेंट में रुकावट डालेंगे। एक बैलेंस होना चाहिए। ऐसा कब तक चलेगा?
- हम भारत में कैसी संस्कृति विकसित कर रहे हैं? यह समझ में आता है कि कल्याणकारी योजना के तहत आप उन लोगों को राहत दें, जो बिजली का बिल नहीं चुका सकते। जो लोग भुगतान करने में सक्षम हैं और जो नहीं हैं, उनके बीच कोई फर्क किए बिना मुफ्त सुविधा देना क्या तुष्टीकरण की नीति नहीं है?

राष्ट्रबाण
सिवनी, शुक्रवार 20 फरवरी 2026

राजधानी राष्ट्रबाण

• बैरसिया • हुजूर • कोलार

मध्य प्रदेश बजट सत्र: नेता प्रतिपक्ष से विजयवर्गीय बोले-औकात में रहो

विधानसभा में अदाणी को लेकर हंगामा; सीएम ने मांगी माफी, सिंघार ने भी जताया खेद

राष्ट्रबाण भोपाल | संवाददाता rashtrabaan.in

मध्य प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र का गुरुवार को चौथा दिन है। विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के बीच तीखी बहस हुई। चर्चा के दौरान सिंघार ने सरकार और अदाणी के बीच समझौते का मुद्दा उठाया। जब नेता प्रतिपक्ष अपना संबोधन दे रहे थे और यह कह रहे थे कि अदाणी को बिजली खरीदने के नाम पर अगले 25 साल में 1 लाख से सवा लाख करोड़ रुपए दिए जाएंगे, तब मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि इसका सबूत दें। इस पर नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि उनके पास सबूत है और वे दिखा देंगे। इसी दौरान दोनों के बीच तनातनी बढ़ गई। बहस शुरू हो गई। बहस के दौरान मंत्री विजयवर्गीय ने नेता प्रतिपक्ष से औकात में रहने को कहा, जिसके बाद सदन में हंगामा और तेज हो गया।

कार्यवाही शुरू होने से पहले हुआ प्रदर्शन

कार्यवाही शुरू होने से पहले कांग्रेस विधायकों ने सदन के बाहर थाली बजाकर विरोध प्रदर्शन किया। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने बजट को आम जनता के लिए निराशाजनक बताते हुए इसे ÷ख्याली पुलाव÷ करार दिया। सदन की कार्यवाही शुरू होने के साथ विपक्ष का प्रदर्शन जारी रहा। हंगामे के दौरान विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने अगले प्रश्न के लिए कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती का नाम पुकारा, लेकिन शोर-शराबे के कारण वे सवाल नहीं रख सके। इसके बाद फुंदेलाल मार्को को बुलाया गया, मगर हंगामा जारी रहा। स्थिति न संभलने पर अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही पांच मिनट के लिए स्थगित कर दी। इस बीच कांग्रेस विधायक गर्भगृह में पहुंचकर नारेबाजी करते रहे। सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू होते ही नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने इंदौर की घटना को हादसा नहीं बल्कि हत्या बताते हुए संबंधित मंत्री (मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला, इंदौर सांसद शंकर लालवानी और इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव) के इस्तीफे की मांग की।

भागीरथपुरा मौत कांड पर विपक्ष का हंगामा

इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी से हुई मौतों के मुद्दे पर विधानसभा में जोरदार हंगामा हुआ। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मंत्रियों के इस्तीफे की मांग उठाई। इस पर विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि मामला न्यायालय में लंबित है, इसलिए ऐसी चर्चा से न्यायालय की अवमानना की स्थिति बन सकती है। पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल ने सुझाव दिया कि सदन में बहस के बजाय संबंधित मंत्री से अलग बैठक कर चर्चा करना बेहतर होगा। पूर्व अध्यक्ष सीता शरण शर्मा ने भी कहा कि अदालत में मामला होने से सदन में चर्चा उचित नहीं। जवाब में डिप्टी सीएम व स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने बताया कि 21 से 29 दिसंबर के बीच डायरिया फैलने के बाद स्थिति गंभीर हुई और 22 मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए की राहत दी गई। इस पर सिंघार ने मृतकों की संख्या 35 बताते हुए सभी को मुआवजा देने और मंत्रियों की जिम्मेदारी तय करने की मांग की। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि सरकार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई की और एक आईएएस अधिकारी को निलंबित भी किया। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के राहत कार्यों का भी उल्लेख किया गया। विवाद बढ़ने पर डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा ने भी सरकार का पक्ष रखा, लेकिन इस्तीफे की मांग को लेकर विपक्ष के विरोध के बीच सदन में जोरदार हंगामा जारी रहा।

सरकार ने ब्रांडिंग पर 200 करोड़ खर्च कर दिए- उमंग सिंघार

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने पूछा कि उद्योगपति यहां क्यों नहीं आना चाहते। दावोस में मीटिंग हुई, लेकिन नतीजा क्या निकला? एपस्टीन फाइल का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि समय-समय पर बड़े खुलासे होते रहते हैं। सरकार के पास स्कूटी देने के लिए पैसे नहीं हैं, लेकिन सरकार ने अपनी ब्रांडिंग पर 200 करोड़ रुपए खर्च कर दिए। सिंघार ने कहा कि सरकार ने लड्डू पर 81 करोड़ रुपये खर्च किए। 11 लाख करोड़ के इन्वेस्टमेंट प्रपोजल में से कितने लागू हुए, कितने लोगों को नौकरी मिली। कितनी इंडस्ट्री लगी, इसकी जानकारी पोर्टल पर क्यों नहीं डाली जाती? हमें दूसरों की मेहनत पर दिवाली नहीं मनानी चाहिए। उन्होंने कहा कि साइबर क्राइम पर बहुत ज्यादा बातें हो रही हैं। 1000 करोड़ रुपए के साइबर फ्रॉड के बाद सिर्फ 19.4 करोड़ रुपए ही रिकवर हुए। किसानों पर 1.69 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। क्या सरकार किसानों का कर्ज माफ करेगी? सरकार के मिल्क कैपिटल बनाने के दावे पर सिंघार ने कहा कि वे अपने बच्चों को घर से बाहर नहीं ले जा सकते और उन्हें पानी भी नहीं दे सकते। सरकार इसे मिल्क कैपिटल बनाने की बात कर रही है।

सीएम ने कहा- मैं माफी मांगता हूं

सीएम मोहन यादव ने मामले का पटाक्षेप करने का प्रयास करते हुए विजयवर्गीय के वक्तव्य पर कहा- जाने- अनजाने में कोई शब्द निकले हैं तो उसके लिए मैं माफी मांगता हूं। इस पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा मुख्यमंत्री ने जो भाव दिखाया, मैं उसका सम्मान करता हूं। मैं भी चार बार का विधायक हूं, संसदीय शब्दावली का ध्यान रखने की कोशिश करता हूं। मैं कभी अहम में नहीं आता। अगर मेरी ओर से कुछ हुआ है तो मैं भी खेद व्यक्त करता हूं। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष ने पक्ष और विपक्ष दोनों का आभार प्रकट किया और नेता प्रतिपक्ष को राज्यपाल के अभिभाषण पर वक्तव्य देने के लिए कहा।

मंत्री विजयवर्गीय बोले- अपने व्यवहार से अप्रसन्न, उमंग को प्यार करता हूं

संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि मुझे करीब 37 साल का राजनीतिक अनुभव है। आज मैं खुद अपने व्यवहार से प्रसन्न नहीं हूं। जो जवाबदार पद पर बैठते हैं, चाहे विधानसभा अध्यक्ष हों, चाहे मुख्यमंत्री हों, चाहे नेता प्रतिपक्ष हों, अगर वे संसदीय मर्यादाओं का पालन नहीं करेंगे तो बाकी सदस्य कैसे करेंगे। आज पता नहीं कैसे हो गया, नेता प्रतिपक्ष ने मेरी ओर हाथों से इशारा किया, उमंग की बॉडी लैंग्वेज थोड़ा सा अलग थी, मैं उमंग को प्यार करता हूं। मैं अपने व्यवहार से दुखी हूं। इस पर हेमंत कटारे ने कहा कि संसदीय कार्य मंत्री को खेद व्यक्त करना चाहिए। कांग्रेस विधायक लखन घनघोरिया ने कहा कि अब कोई आगे ऐसा ना करे, इस बात का ध्यान रखने की व्यवस्था की जानी चाहिए। डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि संसदीय कार्य मंत्री ने दुख व्यक्त किया है, यह पर्याप्त है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस पर कहा कि संसदीय कार्य मंत्री ने पर्याप्त बातें कह दी हैं, लेकिन अगर कुछ ऐसा है तो वह अपनी ओर से सबसे माफी मांग लेते हैं।

अदाणी का नाम लेने पर मंत्री ने जताई आपत्ति

चर्चा के दौरान सिंघार ने सरकार और अदाणी के बीच समझौते का मुद्दा उठाया। इस पर मंत्री विश्वास सारंग ने आपत्ति जताई और कहा कि जो व्यक्ति सदन में मौजूद नहीं है, उसका नाम नहीं लिया जाना चाहिए। विधानसभा अध्यक्ष ने भी इस परंपरा का पालन करने के निर्देश दिए। संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष गलत जानकारी दे रहे हैं। इस पर उमंग सिंघार ने कहा कि वह हर बात प्रमाण के साथ करते हैं और जरूरत पड़ने पर प्रमाण दे सकते हैं। दोनों नेताओं के बीच बहस तेज होने के बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायक भी खड़े हो गए। सदन में कुछ समय तक हंगामा होता रहा और कार्यवाही प्रभावित हुई।

विधानसभा अध्यक्ष बोले- दोनों पक्षों को गुस्सा आ गया, यह अच्छा नहीं

40 मिनट के अंतराल के बाद सदन की दोबारा कार्यवाही शुरू हुई तो प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि आज दिन कुछ गरम-गरम सा है। तोमर ने कहा कि सदन के संचालन के लिए नियम और परंपरा का पालन जरूरी है। आज दुर्भाग्य से थोड़ी सी असहज स्थिति बन गई है। मध्य प्रदेश विधानसभा की गौरवशाली परंपरा रही है, सदन का गौरव लगातार बढ़ता रहे, इस बात का प्रयत्न सभी पक्षों के सदस्यों को करना चाहिए। तोमर ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री सुंदरलाल पटवा कहते थे कि सदन में बात करते समय गुस्सा दिखना चाहिए, लेकिन गुस्सा आना नहीं चाहिए। लेकिन आज दोनों पक्षों को गुस्सा आ गया है, यह लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों मजबूत पहिए हैं। सभी से आग्रह करूंगा कि इस विषय का यही पटाक्षेप करें।

भोपाल में डॉग लवर ने 2 महिलाओं को तलवार मारी

पेट और हाथ में गहरे घाव; नगर निगम से आवारा कुत्तों की शिकायत की थी

राष्ट्रबाण भोपाल | संवाददाता rashtrabaan.in

भोपाल के अयोध्या नगर थाना क्षेत्र में डॉग लवर्स ने गुरुवार को 2 महिलाओं को तलवार मारी है। एक महिला के पेट और दूसरी महिला के हाथ में गंभीर चोटें आई हैं। एक महिला के हाथ की नस कट गई है। गहरे घाव बन गए हैं। वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। बताया जा रहा है कि श्रवण कांता कॉलोनी के लोगों ने आवारा कुत्तों के आतंक की नगर निगम से शिकायत की थी। शिकायत के बाद नगर निगम की टीम सभी आवारा कुत्तों को पकड़कर ले गई थी। इसके बाद कॉलोनी में ही रहने वाले डॉग लवर्स ने निगम से छुड़वा लिया था।डॉग लवर्स ने आवारा कुत्तों को दोबारा श्रवण कांता कॉलोनी में लाकर छोड़ दिया था। इसके बाद कॉलोनी की महिलाओं ने विरोध किया। इससे गुस्साए युवक ने महिला साथी और एक अन्य दोस्त की मौजूदगी में 2 महिलाओं पर तलवार से जानलेवा हमला कर दिया।

प्रॉपर्टी डीलर ने दर्ज कराई एफआईआर

कॉलोनी में रहने वाले प्रॉपर्टी डीलर सुरेंद्र ठाकुर ने वारदात के बाद आरोपी अशोक चौहान के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई। सुरेंद्र ने पुलिस को बताया कि अशोक चौहान श्रवण कांता कॉलोनी में ही रहता है। वह खुद को पेट लवर बताता है। कॉलोनी में अवारा कुत्तों को पालकर रखा है। यह कुत्ते अक्सर लोगों के पीछे लग जाते हैं। बाइक से आने जाने वालों को दौड़ाते हैं। सड़क पर चलने वालों पर भौंकते हैं। इसे लेकर कॉलोनी के लोगों में डर का माहौल रहता है। इसी वजह से नगर निगम की डॉग स्कॉड टीम को कॉल कर शिकायत की गई थी।

महिलाओं से बदसलूकी की, फिर तलवार लेकर आया

शिकायतकर्ता प्रॉपर्टी डीलर सुरेंद्र ठाकुर ने पुलिस से बताया कि आरोपी अशोक ने अपनी महिला साथी के साथ मिलकर कॉलोनी की महिलाओं से अभद्रता की। महिलाओं ने विरोध किया तो आरोपी अशोक तलवार लेकर आया। उसके साथ एक व्यक्ति भी था। आरोपी अशोक और उसके साथियों ने कॉलोनी के रहवासियों को धमकाना शुरू कर दिया। विवाद बढ़ने पर अशोक ने तलवार से वंदना सेन और लक्ष्मी ठाकुर पर हमला कर दिया। इससे दोनों जख्मी हो गईं। दोनों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

टीआई बोले- आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी होगी

वहीं मामले में अयोध्या नगर टीआई महेश लिल्लारे ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ स्नढ्ढक्रदर्ज की गई है। अशोक चौहान नामजद आरोपी है, जबकि अन्य साथियों के नाम उसकी गिरफ्तारी के बाद ही साफ होंगे। जल्द सभी आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी। मामले की जांच की जा रही है।

भोपाल में प्रेमी संग भागी पत्नी, पति ने किया सुसाइड

2 मिनट 57 सेकंड का वीडियो बनाकर दोनों को बताया मौत के लिए जिम्मेदार

राष्ट्रबाण भोपाल | संवाददाता rashtrabaan.in

भोपाल के निशातपुरा में रहने वाले एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुसाइड से पहले एक वीडियो बनाया, जिसमें उसने मौत के लिए पत्नी और उसके प्रेमी को जिम्मेदार बताया है। घटना बुधवार रात 10 बजे की है, जबकि पोस्टमॉर्टम के बाद गुरुवार दोपहर शव परिजनों के हवाले कर दिया गया है। पुलिस के मुताबिक, 30 वर्षीय पंकज अहिरवार पिता कुंजीलाल अहिरवार रतन कॉलोनी में रहता था। वह एक प्राइवेट कंपनी में गैस सिलेंडर डिलेवरी का काम करता था। बुधवार रात पंकज ने घर में फांसी लगा ली। सुसाइड से पहले उसने एक वीडियो बनाया, जिसमें उसने सुसाइड के लिए मजबूर करने के आरोप अपनी पत्नी संध्या और उसके प्रेमी विकास पालकर पर लगाए हैं। युवक ने अपने आखिरी वीडियो में विकास और पत्नी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

पत्नी ने की थी पुलिस से शिकायत, इससे डिप्रेशन में आया था

युवक ने वीडियो में इस बात का भी जिक्र किया कि पत्नी ने गांधी नगर थाने में उसके खिलाफ शिकायत की थी, जिससे लंबे समय तक वह परेशान रहा, उसे कई बार थाने में रखा गया। इन तमाम चीजों से परेशान होकर वह अपनी जान दे रहा है। पंकज ने आखिरी वीडियो में बताया कि पत्नी को उसका प्रेमी विकास अपने साथ खुरई ले गया है।

भाई बोला- विकास से घंटों बात करती थीं भाभी

मृतक के छोटे भाई गगन ने बताया कि भाभी संध्या विकास से फोन पर घंटे तक बातें करती थीं। इस बात से नाराज होकर भैया उनको फटकार लगाते थे। दोनों के बीच इसी बात को लेकर कई बार विवाद होते थे। पिछले दिनों भाभी, भैया को छोड़कर विकास के साथ रहने चली गईं। इससे डिप्रेशन में आकर भैया ने सुसाइड कर लिया। इस बात का जिक्र उन्होंने अपनी आखिरी वीडियो में भी किया है।

जनगणना- मकान में कितने कमरे? ये भी पूछेंगे

आपसे 33 बिंदुओं पर हर जानकारी ली जाएगी; भोपाल में हुई ट्रेनिंग

राष्ट्रबाण भोपाल | संवाददाता rashtrabaan.in

मध्य प्रदेश में 1 मई से जनगणना की शुरुआत होगी। यह जनगणना का पहला चरण रहेगा। जिसमें एक महीने तक मकान और परिवार से संबंधित 33 बिंदुओं पर जानकारी पूछी जाएगी। गुरुवार को संबंधित अधिकारियों को कलेक्टोरेट में ट्रेनिंग दी गई। बताया गया कि जनगणना की पूरी प्रक्रिया क्या रहेगी? इसके बाद ये अधिकारी निचले कर्मचारियों को प्रशिक्षित करेंगे। ट्रेनिंग में जनगणना-2027 को पूर्णतः डिजिटल मोड में संपादित करने से संबंधित प्रमुख बिंदुओं पर भी चर्चा की गई। एडीएम प्रकाश नायक, पीसी शाक्य, जिला जनगणना अधिकारी भुवन गुप्ता समेत सभी एसडीएम, संयुक्त कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर, समिति सदस्य और विभागीय अधिकारी मौजूद थे। जनगणना कार्य निदेशालय संयुक्त निदेशक नमित यादव, सहायक निदेशक ऐंजी रेजी ने प्रथम चरण मकान सूचीकरण को लेकर ट्रेनिंग दी। जनगणना कार्य निर्देशालय मध्यप्रदेश, सांख्यिकी अंवेषक एवं भोपाल जिला प्रभारी सुनीता पुष्कर, जिला नोडल ऑफिसर सुरेंद्र रघुवंशी भी मौजूद थे।

पहले चरण में ये पता लगाएंगे

मकान नंबर, छत-दीवार कैसी है?, मकान की वर्तमान स्थिति, उसका पयोग, घर में रहने वाले लोगों की संख्या, परिवार के मुखिया का नाम, उसका लिंग, पेजयल का मुख्य स्रोत, शौचालय का प्रकार, गंदे पानी की निकासयी, पीएनजी कनेक्शन की उपलब्धता, प्रकाश का मुख्य स्रोत, रेडियो या ट्रांजिस्टर, टेलीविजन, इंटरनेट सुविधा है या नहीं?, टेलीफोन, साइकिल, स्कूटर, बाइक या मोपेड, कार, जीप या वैन, मोबाइल नंबर समेत 33 बिंदुओं की जानकारी ली जाएगी।

जनगणना के इतिहास के बारे में जानें

जनगणना 2027 देश की 16वीं और स्वतंत्रता के बाद की 8वीं जनगणना होगी। यह गांव, शहर एवं वार्ड स्तर पर प्राथमिक आंकड़ों का सबसे बड़ा एवं विश्वसनीय स्रोत है। जनगणना-2027 पूर्णत: डिजिटल होगी। पहली बार नागरिकों को स्व-गणना (सेल्फ एन्युमरेशन) का विकल्प प्रदान किया गया है। आंकड़ों का संकलन स्व-गणना पोर्टल एवं मोबाइल एप (एचएलओ एप) के माध्यम से किया जाएगा। मकान सूचीकरण ब्लॉक का सृजन एचएलबीसी वेब पोर्टल से और प्रबंधन एवं निगरानी सीएमएमएस वेब पोर्टल के माध्यम से की जाएगी।

गर्म तेल से भरी कढ़ाई में गिरा हलवाई, पूरियां तलते समय आया था चक्कर; बुरी तरह झुलसा, मौत

राष्ट्रबाण भोपाल | संवाददाता rashtrabaan.in

भोपाल के परवलिया इलाके में एक समारोह में खाना बनाते समय हलवाई गर्म तेल से भरी कढ़ाई में जा गिरा। साथियों ने करीब दो मिनट की मशक्कत के बाद उसे कढ़ाई से बाहर निकाला। तत्काल उसे हमीदिया अस्पताल पहुंचाया। जहां 15 दिन चले इलाज के बाद गुरुवार सुबह उसकी मौत हो गई। हादसे के समय युवक पूरियां तल रहा था। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। सज्जाद अली पति हसन अली 34 साल निवासी गोंडीपुरा नई जेल हलवाई था। 4 फरवरी को मुबारकपुर में एक गार्डन में खाना बनाते समय चक्कर आ गए। इस दौरान वह तेल से भरी कढ़ाई में गिर गया। इस कढ़ाई में पूरियां तली जा रही थीं, जिससे युवक गंभीर रूप से झुलस गया। साथियों ने उसे किसी तरह से बाहर निकाला।

बॉडी परिजनों को सौंप दी

इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया। जहां गुरुवार सुबह उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। गुरुवार दोपहर को पोस्टमार्टम के बाद बॉडी को परिजनों के हवाले कर दिया गया है। **परिवार वाले तलाश रहे थे लड़की:** सज्जाद की शादी नहीं हुई थी। उसके परिवार वाले लड़की तलाश रहे थे। वह चार भाईयों में दूसरे नंबर का था। शादी पार्टियों में खाना बनाने का आर्डर लेता था। हमेशा परिवार वालों को भोपाल का बड़ा केटरर बन कर दिखाने की बात कहता था।

ईमेल से साइनाइड गैस वाले ब्लास्ट की चेतावनी; 12-15 बजे विस्फोट का दावा, खाली कराया परिसर

पीपुल्स यूनिवर्सिटी को मिली बम से उड़ाने की धमकी

राष्ट्रबाण भोपाल | संवाददाता rashtrabaan.in

राजधानी स्थित पीपुल्स यूनिवर्सिटी को गुरुवार सुबह बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया। यूनिवर्सिटी के डीन को ईमेल भेजकर दावा किया गया कि कॉलेज भवन में साइनाइड (जहर) वाले बम रखे गए हैं, जो दोपहर 12-15 बजे फटेंगे। मेल में सुबह 11 बजे तक डॉक्टरों और छात्रों को परिसर से बाहर निकालने की चेतावनी दी गई थी। सूचना मिलते ही प्रशासन ने एहतियातन यूनिवर्सिटी खाली कराई और पुलिस व बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंच गया। पूरे परिसर में सघन तलाशी अभियान चलाया गया।

डीन को आया धमकी भरा ईमेल

जानकारी के मुताबिक यूनिवर्सिटी के डीन को आधिकारिक मेल आईडी पर एक संदिग्ध ईमेल प्राप्त हुआ। इसमें लिखा था कि कॉलेज परिसर में साइनाइड वाले बम लगाए गए हैं, जो तय समय पर विस्फोट करेंगे। मेल में धार्मिक नारे का भी उल्लेख किया गया था। संदेश में स्पष्ट रूप से सुबह 11 बजे तक डॉक्टरों और विद्यार्थियों को बाहर निकालने को कहा गया था।

तुरंत खाली कराया गया परिसर

ईमेल मिलते ही यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने पुलिस को सूचना दी। सुरक्षा के मद्देनजर परिसर को तत्काल खाली कराया गया। क्लासरूम, ओपीडी और प्रशासनिक भवनों से छात्रों व स्टाफ को बाहर निकाला गया। मौके पर बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड ने पहुंचकर जांच शुरू की। संदिग्ध स्थानों की गहन तलाशी ली गई।

पुलिस जांच में जुटी

पुलिस अधिकारियों के अनुसार ईमेल की तकनीकी जांच की जा रही है। मेल किस आईडी से भेजा गया और उसका सर्वर लोकेशन क्या है, इसकी पड़ताल साइबर सेल द्वारा की जा रही है। प्रारंभिक जांच में मामला शरारत या फर्जी धमकी का भी हो सकता है, लेकिन सुरक्षा के लिहाज से किसी तरह की लापरवाही नहीं बरती गई।

अफरा-तफरी का माहौल

धमकी की खबर फैलते ही यूनिवर्सिटी परिसर और आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। छात्रों और अभिभावकों में चिंता देखी गई। हालांकि निर्धारित समय तक किसी प्रकार की संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और दोषी की पहचान कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। **मेल में लिखा हुआ है यह संदेश:** टीएनएलए एस. मारन विंग से रमीजा हुसैन ने लिखा- तमिलनाडु के कांस्टेबलों को निवेथा पेथुराज उदयनिधि और अन्य डीएमके (आपत्तिजनक शब्द) के कपड़े और गंदे बर्तन साफ करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। इस कारण कई लोगों ने अपमान का अनुभव किया है। इसलिए, मनीस्ट और पाक 151 सेल के पूर्व क्यू ब्रांच सदस्य, जो मदुरै में संचालित हैं, ने आज आपके मेडिकल कॉलेज को ट्विनिंग आईईडी लगाकर निशाना बनाया है।

राष्ट्रबाण
सिवनी, शुक्रवार 20 फरवरी 2026

बालाघाट राष्ट्रबाण

• बैहर • बिरसा • कटंगी • तिरोड़ी • कटंगी • खैरलांजी • किरनापुर • लालबर्रा • लांजी • परसवाड़ा • वारासिवनी

बालाघाट में बच्चा चोर गिरोह की दहशत!, सावधानी ही सुरक्षा

बालाघाट जिले के लालबर्रा विकासखंड में बच्चा चोर गिरोह के सक्रिय होने की खबर से हड़कंप मच गया है। 17 फरवरी 2026 को एक चौथी कक्षा की छात्रा को स्कूल जाते समय कथित रूप से अगवा करने की कोशिश की गई। चॉकलेट का लालच और चाकू की धमकी देकर उसे मोटरसाइकिल पर बैठाकर ले जाने का प्रयास किया गया, लेकिन बच्ची की सतर्कता और साहस ने बड़ी वारदात को टाल दिया। घटना के बाद क्षेत्र में भय और आक्रोश का माहौल है।

लालबर्रा में मासूम को अगवा करने की कोशिश, हिम्मत से बड़ी घटना टली

राष्ट्रबाण बालाघाट| संवाददाता rashtrabaan.in

मंगलवार, 17 फरवरी की सुबह करीब 9.30 से 10.30 बजे के बीच शासकीय प्राथमिक शाला मिरेगांव की कक्षा चौथी की छात्रा रोज की तरह स्कूल जा रही थी। बताया जा रहा है कि लालबर्रा-बालाघाट रोड स्थित पेट्रोल पंप के पास एक अज्ञात युवक ने बच्ची को रोका। पहले उसे चॉकलेट का लालच दिया गया और फिर चाकू दिखाकर डराया गया। आरोपी ने जबरदस्ती बच्ची को मोटरसाइकिल पर बैठाकर ले जाने की कोशिश की। डरी-सहमी बच्ची ने सूझबूझ दिखाते हुए चलते वाहन से छलांग लगा दी। मुख्य मार्ग पर आवाजाही होने के कारण आरोपी घबराकर मौके से फरार हो गया। यदि बच्ची ने हिम्मत न दिखाई होती तो गंभीर घटना घट सकती थी। ग्रामीणों के अनुसार, घटना के एक दिन पहले भी संदिग्ध गतिविधि देखी गई थी। हालांकि उस समय कोई स्पष्ट वारदात सामने नहीं आई, लेकिन अब दोनों घटनाओं को जोड़कर देखा जा रहा है। इससे यह आशंका और गहरा गई है कि क्षेत्र में बच्चा चोर गिरोह सक्रिय हो सकता है।

स्कूल प्रशासन ने जारी किया सतर्कता पत्र।

पुलिस जांच में जुटी, सीसीटीवी खंगाले गए

घटना की शिकायत मिलने के बाद लालबर्रा पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले गए, लेकिन अब तक किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बच्ची को ले जाते हुए कुछ स्पष्ट सामने नहीं आया है। पुलिस अन्य साक्ष्यों और संभावित संदिग्धों की तलाश में जुटी है। हालाँकि लालबर्रा पुलिस की कार्यप्रणाली लचर होने के कारण अपराधी इसका पूरा फायदा उठाते है। इस घटना पर पुलिस ने हलके में लेते हुए जांच के उपरांत कई बार टालने और ऐसी घटना पर गंभीरता नहीं दिखाई।

ग्रामीणों में आक्रोश और सतर्कता

घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। बच्ची के परिजनों और ग्रामीणों ने लालबर्रा थाने में शिकायत दर्ज कराई है। लोगों में गुस्सा भी है और डर भी। अभिभावकों ने प्रशासन से स्कूल समय में गश्त बढ़ाने और प्रमुख मार्गों पर निगरानी सख्त करने की मांग की है। बच्ची की बुआ उसे आधी दूरी तक छोड़ने गई थीं, जिसके बाद यह घटना सामने आई। अब कई पालक स्वयं बच्चों को स्कूल छोड़ने और लाने की व्यवस्था कर रहे हैं।

प्रधानपाठिका ने जारी किया सतर्कता पत्र : प्राथमिक शाला मिरेगांव की प्रभारी प्रधानपाठिका आरेफा शेख ने एक पत्र जारी कर पूरे लालबर्रा क्षेत्र और जिले के पालकों व शिक्षकों से अपील की है कि बच्चों को स्कूल आते-जाते समय सतर्क रहने की समझाइश दें। उन्होंने कहा कि बच्चों को किसी अजनबी से कोई भी वस्तु न लेने, वाहन पर न बैठने और खतरा महसूस होने पर तुरंत शोर मचाने की शिक्षा दी जाए। प्रधानपाठिका ने घटना की सूचना लालबर्रा थाने और संबंधित शिक्षा अधिकारियों को दे दी है। शिक्षा विभाग के ब्लॉक स्तर के अधिकारी भी स्कूल पहुंचकर मामले की जांच कर चुके हैं।

सांसद, मंत्री, कलेक्टर तक पहुंच रही शिकायत मगर कार्यवाही शून्य

नैनपुर एसडीएम सिविल अस्पताल पहुंचे तो बीएमओ राजीव चावला डॉक्टर और हॉस्पिटल स्टाफ भी नदारत मिला

- एसडीएम नैनपुर को भी करना पड़ा इंतजार!
- हॉस्पिटल ओपीडी शाम के वक्त डॉक्टर और स्टाफ नदारत वही सार्थक ऐप से भी खिलवाड़

राष्ट्रबाण नैनपुर| संवाददाता rashtrabaan.in

जिला मंडला आदिवासी क्षेत्र है। मगर मंडला जिले गरीबों का शोषण हो रहा है। और जिला प्रशासन और उसके अधिकारी मानव सेवा का क्षेत्र नौकरी के साथ मानवीय संवेदनाओं से जुड़ा होता है आपके कारण सिविल हॉस्पिटल और अनुभाग नैनपुर की छवि जिले में खराब हो रही है यह शब्द यदि एसडीएम नैनपुर बीएमओ और जिम्मेदार डॉक्टर की टीम और स्टाफ के बीच में बोले तो सिविल अस्पताल नैनपुर की सेवाएं कितनी पटरी से उतरी है। इसका अंदाजा शब्द बता देते है। मंडला कलेक्टर के निर्देश पर आज जब 9.37 मिनट्स पर नैनपुर एसडीएम हॉस्पिटल पहुंचे एसडीएम साहब का पारा सातवें आसमान में पहुंच गया क्योंकि जैसे ही ह्यस्त्रद्ब साहब हॉस्पिटल पहुंचे तो बीएमओ से लेकर अन्य स्टाफ गायब था। तो फिर क्या था । अनुविभागीय अधिकारी के अंदर का अधिकारी जाग गया और एक मानवीय संवेदनाओं मानवीय दृष्टिकोण मानवीय मूल्यों मानवीय पहलू मानवीय स्थितियों को देखते फटकार लगा दी।

फग्गनसिंह कुलस्ते, सांसद : घटिया व्यवस्था के लिए कौन जिम्मेदार।

राजीव चावला, बीएमओ : लापरवाही का पर्याय बन गया लापरवाह अफसर।

डॉ. मोहंती कोरी, प्रभारी सीएमएचओ : गैरज़िम्मेदार अफसरों पर होगी कार्रवाई।

अनुविभागीय अधिकारी ने लगाई नैनपुर सिविल अस्पताल की क्लास।

एसडीएम नैनपुर ने ओपीडी, आकस्मिक वार्ड, प्रसूति वार्ड, एन सी डी वार्ड, महिला डॉक्टर के कमरे, ए एनसी वार्ड, डायलिसिस यूनिट चेक किया

नैनपुर नगर और विकासखंड की समस्त नगर के 15 वार्ड,74 ग्राम पंचायत के बाद केवलारी से लगे 37 ग्राम पंचायत जो लोकसभा मंडला में है। के अलावा बालाघाट जिले की पादरीगंज तक के बैगा समुदाय की महिला पुरुष इस सिविल अस्पताल नैनपुर का लाभ लेते है। मरीज रास्ता देख रहे थे हर दिन के यही हाल है। ये लापरवाही लंबे समय से चल रही है। अन्य मरीजों की भी यह शिकायत आम है मरीजों से रुपए मांगे जाने की शिकायत भी कलेक्टर मंडला सोमेश मिश्रा जी के अलावा जन प्रति निधियो तक सीधे तौर पर जा रही है। इसके बाद कलेक्टर मंडला के निर्देश पर एसडीएम नैनपुर ने यह दौरा किया था। ।किंतु सेवा के मैदान में इतनी बत्तर हालत होगी उन ने भी कल्पना नहीं की थी नैनपुर स्ष्ठरू ने हॉस्पिटल में लगे सीसी टीवी कैमरा चेक किया गया तो डॉक्टर कैंपस में आने में बाद भी डॉक्टर और कर्मचारी आए तो मगर मरीजों का इलाज नहीं करते पाए गए और हॉस्पिटल की ओपीडी में निजी हॉस्पिटल के पर्चे डॉक्टर के टेबिल पर पड़े देखे गए

नैनपुर सिविल हॉस्पिटल की ओपीडी के टाइम में डॉक्टर और स्टाफ नदारत

जिला प्रशासन और सरकारी आदेश के मुताबिक ओपीडी का टाइम सुबह 9 बजे से लेकर के दोपहर 2 बजे तक का है। पर इस वक्त तक राजीव चावला बीएमओ सहित तीन बच्चों के डॉक्टर शिशु विशेषज्ञ,दो महिला विशेषज्ञों के अलावा,बेहोश करने वाले डॉक्टर,के अलावा गर्भवती महिलाओं की जांच करने वाली कर्मचारी तक अपनी सीट से गायब थे। और मरीज महिलाएं इंतजार कर रही थी । यही हाल दूसरे कर्मचारी भी अपनी टेबिल से गायब थे। वही बीएमओ साहब को ख़बर कर बुलाया गया तो उनका एक जवाब से एसडीएम साहब का पारा चढ़ गया और पंचनामा की कार्यवाही कर सबको नोटिस जारी किया जिला कलेक्टर मंडला को सूचना दी गई है।

निरिक्षण में नदारत मिले जिम्मेदार, अनुविभागीय अधिकारी का फूटा गुस्सा।

सिविल हॉस्पिटल नैनपुर के डॉक्टर और कर्मचारी सार्थक ऐप से खिलवाड़ करते है

जिला प्रशासन ने कर्मचारियों की उपस्थिति के लिये सार्थक ऐप की सुविधा दी गई। मगर हॉस्पिटल के कर्मचारी और अधिकारी सार्थक ऐप को भी चकमा देने से नहीं चूक रहे है। अधिकारियों ने जब कर्मचारियों की उपस्थिति को खंगाला गया तो न ऑफ लाइन पंजी में डॉक्टर के हस्ताक्षर मिले न सार्थक ऐप में वही कुछ डॉक्टर की उपस्थिति सार्थक एप में उपस्थिति नहीं पाई गई। और वेतन पूरा ले रहे है। देखा जाए तो सिविल हॉस्पिटल नैनपुर के डॉक्टर और कर्मचारियों मध्य प्रदेश सरकार के ऐप से भी खिलवाड़ करने से नहीं चूक रहे है। एसडीएम नैनपुर ने कहा की ऐसे मौजूदा गंभीर स्थिति में सख्त कार्यवाही तक हो सकती है।

एसडीएम नैनपुर ने प्रभारी सीएमएचओ को समस्या से अवगत कराया

नैनपुर हॉस्पिटल में समस्याओं का अंबार लगा है। और खुले आम मरीज और उनके इलाज घोर लापरवाही की जा रही है। वही जहां मरीज भर्ती वार्ड में भी व्यवस्था को देखा ठीक करने के लिये कहा गया और माह में दो बार प्रभारी सीएमएचओ मंडला दौरा करने को कहा। वही सभी कर्मचारियों और डॉक्टर को थमाए जा रहे है। इतनी गंभीर लापरवाही के बाद सब को नोटिस थमाए जा रहे है।

इनका कहना है

में अभी सिर्फ दो दिन के प्रभार में हूं एसडीएम नैनपुर के बनाए गए पंचनामा के बाद में खुद बैठक लूंगा फिर कुछ कह सकता हूं पर ये बताए गए लापरवाही के आलम दो दिन के नहीं है ये जरूर कह सकता हूं लापरवाही पर सख्त कार्यवाही होगी

डॉ. मोहंती कोरी प्रभारी सीएमएचओ मंडला।

19 मार्च को वारासिवनी में मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजनांतर्गत सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन

सामूहिक विवाह कार्यक्रम में विवाह कराने के इच्छुक जोड़े 23 फरवरी से 05 मार्च तक कर सकते हैं आवेदन

राष्ट्रबाण बालाघाट| संवाददाता rashtrabaan.in

जनपद पंचायत वारासिवनी द्वारा मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना / निकाह योजनांतर्गत सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन दिनांक 19 मार्च 2026, गुरुवार को सिविल क्लब ग्राउंड (दशहरा मैदान) वारासिवनी में किया जा रहा है। इस सामूहिक विवाह कार्यक्रम में सम्मिलित होने के इच्छुक जोड़ों से आवेदन 23 फरवरी 2026 (सोमवार) से 05 मार्च 2026 (गुरुवार) शाम 5ः00 बजे तक कार्यालय जनपद पंचायत वारासिवनी में स्वीकार किए जाएंगे। निर्धारित तिथि के पश्चात आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

आवेदन प्रक्रिया एवं आवश्यक शर्तें

आवेदन वर एवं वधु को स्वयं उपस्थित होकर समस्त दस्तावेजों एवं अनापत्ति प्रमाण पत्र सहित जनपद पंचायत वारासिवनी कार्यालय में जमा करना होगा। अन्य किसी माध्यम से आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। आवेदक का समग्र ई-केवाईसी अनिवार्य है। समग्र आईडी में वर/वधु की वैवाहिक स्थिति अविवाहित/तलाकशुदा दर्ज होना आवश्यक है। वर की आयु न्यूनतम 21 वर्ष एवं वधु की आयु न्यूनतम 18 वर्ष होना अनिवार्य है। वधु का मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना आवश्यक है। आवश्यक दस्तावेजों में समग्र आईडी की नवीन प्रति, आधार कार्ड, मतदाता परिचय पत्र, आयु प्रमाण पत्र, मोबाइल नंबर, तीन पासपोर्ट साइज फोटो, वधु के स्वयं के बैंक खाते की पासबुक की स्पष्ट छायाप्रति एवं मूल निवासी प्रमाण पत्र शामिल हैं। कन्या के अभिभावक या पालक गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले होना चाहिए तथा बीपीएल पोर्टल पर इसका सत्यापन अनिवार्य है। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्रालय भोपाल के निर्देशानुसार सामूहिक विवाह मं अधिकतम 200 जोड़ों की सीमा निर्धारित है। किंतु इस तिथि 19 मार्च 2026 को अन्य जनपद (जनपद पंचायत बालाघाट) में भी सामूहिक विवाह का कार्यक्रम आयोजित होने के कारण जनपद पंचायत वारासिवनी में अधिकतम 100 जोड़ों का ही पंजीयन किया जाएगा। इच्छुक एवं पात्र जोड़े अंतिम तिथि से पूर्व कार्यालय जनपद पंचायत वारासिवनी में आवेदन प्रस्तुत कर इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के अंतर्गत सामूहिक विवाह कार्यक्रम में कन्या का विवाह/निकाह कराने पर 49 हजार रुपये की राशि सीधे नववधु के बैंक खाते में ट्रांसफर की जाती है और 06 हजार रुपये की राशि सामूहिक विवाह कार्यक्रम को आयोजित करने वाले संबंधित निकाय या संस्थाक को दिया जाता है। इस प्रकार इस योजना में विवाह कराने पर पात्र जोड़ों को कुल 55 हजार रुपये की सहायता राशि दी जाती है।

समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिए 80 किसानों का हुआ पंजीयन

बालाघाट। किसानों को उनकी उपज का वाजिब दाम दिलाने एवं उन्‍हें बिचौलिये एवं दलालों के शोषण से बचाने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूँ की खरीदी की व्यवस्था की गई है। समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन 07 फरवरी से प्रारंभ कर दिया गया है, यह पंजीयन प्रक्रिया 07 मार्च 2026 तक चलेगी। 19 फरवरी तक जिले के 80 किसानों ने समर्थन मूल्य पर गेहूँ की बिक्री के लिए अपना पंजीयन करा लिया है। कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने किसानों के पंजीयन के लिए 23 केंद्र निर्धारित कर दिये है। इसके साथ ही ऑनलाईन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेंटर, लोक सेवा केंद्र एवं निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे में किसानो के पंजीयन का शुल्क 50 रुपए निर्धारित किया गया है।

पीएचई के कार्यपालन यंत्री ने बेलगांव, कोहका, नेवारा, अकोला की नलजल योजना का निरीक्षण किया

राष्ट्रबाण बालाघाट| संवाददाता rashtrabaan.in

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री बीएल उइके ने 19 फरवरी को किरनापुर विकासखंड के ग्राम बेलगांव, कोहका, नेवारा एवं अकोला में जल जीवन मिशन की प्रगतिरत नल जल योजनाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के एसडीओ एवं उपयंत्री भी उपस्थित थे। कार्यपालन यंत्री श्री उइके ने नलजल योजनाओं के शेष कार्य को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्‍होंने घरों में एफएचटीसी नल कनेक्‍शन शीघ्रता से देने के निर्देश दिये। नलजल योजना का कार्य कर रही एजेंसी को निर्देशित किया गया कि सभी समय सीमा में पेयजल प्रदाय का कार्य पूर्ण करे अन्‍यथा उनकी एजेंसी के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी।

उमंग स्कूल हेल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम के तहत 190 शिक्षकों का आवासीय प्रशिक्षण सम्पन्न

राष्ट्रबाण बालाघाट| संवाददाता rashtrabaan.in

राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत 'उमंग' स्कूल हेल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम के तहत कक्षा 6 से 8 तक के शिक्षकों के लिए हेल्थ एंड वेलनेस एम्बेसडर प्रशिक्षण का आयोजन राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, जिला स्वास्थ्य समिति एवं शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वाधान में अनुपमा एजुकेशन सोसायटी द्वारा किया गया। आवासीय प्रशिक्षण का उद्देश्य विद्यालयों में स्वास्थ्य जागरूकता को सुदृढ़ करना तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को सशक्त बनाना रहा। प्रशिक्षण के दौरान उमंग स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी गई, जिसमें शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य परामर्श, शैक्षणिक एवं करियर काउंसलिंग, स्वस्थ जीवनशैली, गर्भनिरोधक संसाधन, पारिवारिक एवं व्यक्तिगत परामर्श, तनाव, अवसाद एवं आत्मघाती प्रवृत्तियों से संबंधित मार्गदर्शन शामिल रहा। साथ ही प्रजनन एवं यौन रोग निवारण, पोषण संबंधी सलाह, माहवारी स्वच्छता, एनीमिया की रोकथाम एवं उपचार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा की गई। आरकेएसके की प्राथमिकताओं के अंतर्गत पोषण, यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, गैर-संचारी रोग, मादक पदार्थों के दुरुपयोग तथा लैंगिक आधारित हिंसा जैसे विषयों पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। पीपीटी प्रस्तुति के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य गेटकीपर की भूमिका, आत्महत्या रोकथाम, मनहित एप्लीकेशन एवं टेली-मानस हेल्पलाइन नंबर की जानकारी साझा की गई। प्रतिभागियों को समूहों में विभाजित कर प्रस्तुति कराई गई तथा प्रशिक्षकों द्वारा फीडबैक दिया गया। कार्यक्रम के समापन सत्र में 'ना कहने के कौशल', तनाव के स्त्रोत एवं प्रभाव, यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य संप्रेषण के माध्यम, संचारी एवं गैर-संचारी बीमारियां तथा जेंडर आधारित विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। प्रशिक्षण में ध्यान रखने योग्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। 06 प्रशिक्षकों द्वारा कुल 190 शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया।

राष्ट्रबाण
सिवनी, शुक्रवार 20 फरवरी 2026

सिवनी राष्ट्रबाण

● बरघाट ● छपारा ● धनोरा ● घंसौर ● केवलारी ● कुरई ● लखनादौन ● सिवनी ग्रामीण

सिवनी में ट्रक मालिक पर बंधक बनाकर मारपीट, 51 हजार की वसूली और फर्जी फाइनेंस का आरोप

सुनील गोल्हानी की हैवानियत से कांप उठी इंसानियत!

सिवनी जिले में श्रमिक शोषण और कथित धोखाधड़ी का गंभीर मामला सामने आया है। तीन ट्रक ड्रायवरों ने ट्रक मालिक पर आरोप लगाया है कि मजदूरी मांगने पर उन्हें 10 दिनों तक कमरे में बंद कर मारपीट की गई, परिवार से 51 हजार रुपये वसूले गए और आधार-पैन कार्ड लेकर उनके नाम पर स्कूटी व बाइक फाइनेंस करा दी गई। पीड़ितों ने जिला पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

कहते है मजदूर के पसीने सूखने से पहले उसकी मजदूरी मिल जाना ही उसके साथ न्याय होता है लेकिन सिवनी जिले के घंसौर में सुनील गोल्हानी ने अपने यहां ट्रक चलाने वाले दो मजदूरों पर ऐसी हैवानियत की की शैतान भी शर्मसार हो जाये। उसने मजदूरों के दो महीने की मजदूरी हड़प ली और अपने पैसे नहीं मिलाने पर गाड़ी से लोहा बेचने पर उनके साथ बेरहमी से मारपीट की, बंधक बनाया और उनके दस्तावेज से गाड़ी फायनेंस करा कर स्वयं उपयोग करने लगा।

आवेदक नीलेश उइके, सुरेन्द्र कुमरे निवासी विजयपानी कला व उमरिया (थाना कान्हीवाड़ा, जिला सिवनी) पेशे से ट्रक ड्रायवर हैं। शिकायत के मुताबिक वे जैतपुरी निवासी ट्रक मालिक सुनील गोल्हानी का वाहन चलाते थे। जनवरी 2026 में वे ट्रक में लोहा लोड कर रायपुर से जबलपुर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान उन्होंने बकाया ड्रायवरी मजदूरी की मांग की।

आरोप है कि मजदूरी देने के बजाय ट्रक मालिक ने उन्हें टाल दिया और राजनीतिक प्रभाव का हवाला देकर दबाव बनाया। घरेलू जरूरतों से जूझ रहे ड्रायवरों ने कथित रूप से ट्रक में लदे करीब दो क्विंटल लोहा बेच दिया। यही विवाद की जड़ बना और सुनील गोल्हानी ने उन मजदूरों पर हैवानियत का कहर बरपा। दोनों आवेदक इतने डरे हुए थे की वह शिकायत लेकर लखनादौन एसडीओपी के पास जाने से भी दर रहे थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा ने लखनादौन एसडीओपी को ततकाल इस मामले में जांच कर कार्रवाई की बात कही।

10 दिन तक कमरे में बंद रखने का आरोप

नीलेश उइके, सुरेन्द्र कुमरे, न्याय की आस में पहुंचे एएसपी कार्यालय।

शिकायत में कहा गया है कि जैसे ही ट्रक मालिक को लोहा बेचने की जानकारी मिली, उसने दोनों को एक कमरे में बंद कर दिया। आरोप है कि करीब 10 दिनों तक उन्हें बंधक बनाकर मारपीट की गई। पीड़ितों का कहना है कि इस दौरान उन्हें बाहर किसी से संपर्क नहीं करने दिया गया। इतना ही नहीं, परिवार वालों को फोन कर बताया गया कि 'तुम्हारे लड़के लोहा चोरी के मामले में थाने में बंद हैं। दबाव बनाकर 7 जनवरी 2026 की रात 8 :05 बजे फोनपे नंबर 8889246072 पर 51,000 रुपये डलवाए गए। पीड़ितों का दावा है कि यह रकम डर और झूठी जानकारी के आधार पर वसूली गई।

● **दीपक मिश्रा, एएसपी सिवनी :** आरोपी कोई भी हो, किसी गरीब के साथ अन्याय नहीं होगा।

● **सुनील मेहता, एसपी सिवनी :** शिकायत पर निष्पक्ष जाँच के बाद कार्रवाही जरूर होगी।

आधार-पैन लेकर कराई फर्जी फाइनेंस

आवेदकों के अनुसार, परिवार से आधार कार्ड और पैन कार्ड यह कहकर मंगवाए गए कि केस में काम आएंगे। बाद में इन्हीं दस्तावेजों का इस्तेमाल कर नीलेश उइके के नाम पर एक स्कूटी और सुरेन्द्र कुमरे के नाम पर एक साइन बाइक फाइनेंस करा दी गई। पीड़ितों को इसकी जानकारी तब हुई जब फाइनेंस कंपनी की ओर से किस्त जमा करने का नोटिस मिला। आरोप है कि न तो उन्हें वाहन दिए गए और न ही उनकी सहमति ली गई। इस प्रकार दस्तावेजों के दुरुपयोग कर आर्थिक धोखाधड़ी की गई। पीड़ितों ने इसे योजनाबद्ध साजिश और धोखाधड़ी बताया है।

पुलिस में पहचान का भी जिक्र

आवेदन में यह भी कहा गया है कि आरोपी संपन्न वर्ग का व्यक्ति है और उसकी पुलिस विभाग में अच्छी जान-पहचान है। इसी कारण पीड़ितों को भय है कि उनके या उनके परिवार के साथ कोई अप्रिय घटना घट सकती है। उन्होंने जिला पुलिस अधीक्षक से निष्पक्ष जांच और सुरक्षा की मांग की है।

यह मामला जिले में श्रमिक अधिकारों और सुरक्षा पर भी सवाल खड़े करता है। क्या मजदूरी मांगना अपराध है? क्या दबंगई और कथित रसूख के दम पर श्रमिकों को बंधक बनाया जा सकता है? इन सवालों का जवाब अब पुलिस जांच पर निर्भर करेगा। फिलहाल मामला जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंच चुका है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा कहते है यदि आरोपों में सच्चाई पाई जाती है तो आरोपी सुनील गोल्हानी पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। अब निगाहें पुलिस कार्रवाई और निष्पक्ष जांच पर टिकी हैं।

पुलिस-समाज सहभागिता की मिसाल

सिवनी कंट्रोल रूम में 'हार्टफुलनेस' और 'सृजन' टीम का सम्मान

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

सिवनी के पुलिस नियंत्रण कक्ष में शनिवार को एक गरिमामय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें 'हार्टफुलनेस' और 'सृजन' से जुड़ी टीमों को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राकेश कुमार सिंह, पुलिस उप महानिरीक्षक रेंज छिंदवाड़ा उपस्थित रहे। उनके साथ पुलिस अधीक्षक सुनील मेहता एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा ने भी सहभागिता की। अतिथियों ने सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवकों को स्मृति चिह्न एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। डीआईजी राकेश कुमार सिंह ने अपने संबोधन में सिवनी पुलिस द्वारा किए जा रहे नवाचारों की सराहना करते हुए कहा कि 'जब पुलिस और समाज मिलकर काम करते हैं, तब स्थायी और सकारात्मक परिणाम सामने आते हैं।' उन्होंने पुलिस अधीक्षक सुनील मेहता के नेतृत्व में संचालित अभियानों को सराहनीय बताया और सामुदायिक पुलिसिंग को भविष्य की आवश्यकता बताया।

तनावमुक्त पुलिसिंग की दिशा में 'हार्टफुलनेस'

मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा चलाए जा रहे नवाचारों के तहत पुलिस कर्मियों को तनावमुक्त, स्वस्थ और संतुलित रखने के उद्देश्य से 'हार्टफुलनेस' ध्यान पद्धति से जोड़ा गया है। सिवनी में इस पहल को नियमित रूप से रक्षित केंद्र और विभिन्न थानों में संचालित किया जा रहा है।

'सृजन' से बच्चों और पुलिस के बीच संवाद

सामुदायिक पुलिसिंग के अंतर्गत 'सृजन', 'सम्मान', 'एहसास', 'सेफ क्लिक' और 'दिशा लर्निंग' जैसी अभिनव पहलों के माध्यम से किशोरों के आत्मविकास, व्यक्तित्व विकास, करियर मार्गदर्शन, नशामुक्ति, साइबर सुरक्षा और ट्रैफिक सेफ्टी जैसे विषयों पर कार्य किया जा रहा है। विशेष बस्तियों के बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने में 'मातृशक्ति संगठन' की सीमा चौहान एवं उनकी टीम, 'मार्गिक फाउंडेशन' की कु. शिवानी बघेल और अनुराधा सिंह, कराते प्रशिक्षक ओमकार कश्यप, नृत्य प्रशिक्षिका रितु दहीकर तथा पतंजलि योग समिति के रामेश्वर दुबे और श्वेता मिश्रा का उल्लेखनीय योगदान रहा। इन सभी को समारोह में प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

अधिकारियों की रही गरिमामय उपस्थिति

कार्यक्रम में एसडीओपी बरघाट ललित गठरे, एसडीओपी अपूर्व भलावी, एसडीओपी केवलारी आशीष भराड़े, सीएसपी सिवनी सचिन परते, कोतवाली प्रभारी सतीष तिवारी, टीआई ओमेश्वर ठाकरे सहित अनेक पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन रक्षित निरीक्षक प्रवीण नायडू ने किया तथा अभियानों का वीडियो प्रेजेंटेशन आर. नारायण ठाकरे द्वारा प्रस्तुत किया गया। समारोह के अंत में सभी सम्मानित सदस्यों को भविष्य में भी इसी समर्पण और ऊर्जा के साथ कार्य करने के लिए शुभकामनाएं दी गईं। यह आयोजन सिवनी में पुलिस और समाज के बीच मजबूत होते विश्वास और सहयोग का प्रतीक बनकर उभरा।

सिवनी में राख से भरा ट्रक पलटा : ड्राइवर सुरक्षित

कहानी गांव से जबलपुर की तरफ जा रहा था

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

सिवनी जिले के लखनादौन में गुरुवार सुबह 11 बजे एक तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। यह हादसा स्टेट बैंक के पास हुआ। राहत की बात यह रही कि ट्रक ड्राइवर सुरक्षित है और कोई बड़ी अनहोनी नहीं हुई। जानकारी के मुताबिक, ट्रक कहानी गांव से जबलपुर की तरफ जा रहा था। जैसे ही ट्रक लखनादौन के स्टेट बैंक के पास पहुंचा, ड्राइवर का बैलेंस बिगड़ गया और ट्रक पलट गया। जोरदार आवाज सुनकर आसपास के लोग मदद के लिए दौड़ पड़े। यह जगह काफी भीड़भाड़ वाली है, गनीमत रही कि जिस वक्त ट्रक पलटा, वहां कोई राहगीर या दूसरा वाहन मौजूद नहीं था, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। ट्रक में कोयला पावर प्लांट की राख भरी थी। हादसे की खबर मिलते ही लखनादौन पुलिस मौके पर पहुंची और जाम खुलवाकर यातायात को सामान्य कराया। थाना प्रभारी के.पी. धुर्वे ने बताया कि पुलिस ने ट्रक ड्राइवर से पूछताछ शुरू कर दी है। शुरुआती तौर पर तेज रफ्तार और लापरवाही को ही हादसे की वजह माना जा रहा है।

सिवनी पीजी कॉलेज में मानसिक स्वास्थ्य पर सेमिनार : छात्रों को तनावमुक्त जीवन,

आत्महत्या रोकथाम के टिप्स मिले ; एक्सपर्ट्स ने टाइम मेनेजमेंट बताया

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

उच्च शिक्षा संस्थानों में विद्यार्थियों के बीच बढ़ते मानसिक तनाव और अवसाद की घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से सिवनी के शासकीय पीजी कॉलेज में दो दिवसीय विशेष जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। जिला स्तरीय राष्ट्रीय टास्क फोर्स की इकाई द्वारा 18 से 19 फरवरी तक आयोजित इस कार्यक्रम में छात्रों को मानसिक रूप से सशक्त बनाने के गुर सिखाए गए।

सेमिनार के पहले दिन भोपाल से आए विशेषज्ञ डॉ. महेंद्र सहारे ने रसायन विज्ञान विभाग के सत्र में विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में धैर्य रखने और सकारात्मक सोच विकसित करने पर जोर दिया। वहीं, कॉलेज के स्पोर्ट्स ऑफिसर के.सी. राउर ने फिट रहने के लिए नियमित व्यायाम, खेलकूद और योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की सलाह दी।

लक्ष्य निर्धारण और समय प्रबंधन का महत्व बताया

दूसरे दिन प्राणी विज्ञान विभाग के सत्र में डॉ. राजेश कुमार निगम ने छात्रों को बताया कि मानसिक प्रसन्नता ही वास्तविक सफलता की कुंजी है। उन्होंने तनावमुक्त होकर लक्ष्य निर्धारित करने और बेहतर समय प्रबंधन के महत्व को समझाया। कॉलेज के नोडल अधिकारी डॉ. मनोज कुमार टेंभरे ने युवाओं में बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति को समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय बताया। उन्होंने कहा कि इसे रोकना हम सबकी सामूहिक नैतिक जिम्मेदारी है। इस दिशा में जिले के सभी संस्थानों में प्रेरक साहित्य उपलब्ध कराया जा रहा है और अभिभावक-शिक्षक संवाद को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

नशामुक्त परिसर और क्लब कल्चर

सेमिनार में बताया गया कि कॉलेज परिसर को तंबाकू व नशामुक्त बनाने के साथ-साथ 'क्लब-कल्चर' को प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि छात्र शैक्षणिक दबाव से मुक्त होकर अपनी प्रतिभा निखार सकें। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. रविशंकर नाग, जनभागीदारी अध्यक्ष अजय बाबा पांडेय सहित बड़ी संख्या में प्राध्यापक और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

12वीं टॉपर ने माता-पिता, भाई को मार डाला

बैतूल में भांजे की भी हत्या की कोशिश ; मर्डर के बाद शवों के पास बैठा रहा आरोपी

बैतूल | संवाददाता
rashtrabaan.in

मध्यप्रदेश के बैतूल जिले में बेटे ने अपने मां-बाप और भाई को मार डाला। पांच साल के भांजे को भी मारने की कोशिश की। मर्डर के बाद दरवाजा बंद कर लाशों के पास बैठा रहा। फर्श और दीवारों पर खून के कतरे बिखरे मिले हैं। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, मृतकों की पहचान पिता राजू उर्फ हंसू धुर्वे (55), मां कमलती धुर्वे (40) और भाई दिलीप धुर्वे (40) के रूप में हुई है। तीनों सांवगा गांव के रहने वाले थे। वहीं 5 वर्षीय भांजे प्रशांत परते गंभीर बताई जा रही है।

सरकारी नौकरी नहीं लगने से मेंटली डिस्टर्ब था

चचेरी बहन शांता ने बताया कि दीपक होशियार स्टूडेंट था। 12वीं क्लास में टॉप करने के बाद वह घर पर ही रहता था। उसने कई एप्लीकेशन भरे, लेकिन उसका सिलेक्शन नहीं हुआ। शायद उसने यह बात दिल पर ले ली, जिसका उसके मन पर गहरा असर हुआ।

चचेरी बहन ने बताया कि दीपक बीमार रहने लगा था। उसका छोटा भाई भी पढ़ाई पूरी करने के बाद फैब्रिकेशन का काम करने लगा। उसने सीआरपीएफ में सिलेक्शन के लिए भी अप्लाई किया था, लेकिन वह कुछ नंबरों से चूक गया। इसके बाद उसका छोटा भाई मजदूरी करने लगा।

मौके से लोहे की रॉड और डंडे जब्त

कोतवाली टीआई देवकरण डहरिया ने बताया कि मौके से लोहे की रॉड और डंडे मिले हैं। पुलिस ने लोहे की रॉड और डंडे जब्त कर लिए हैं। बिल्ली भी मरी पाई गई। आशंका है कि आरोपी ने गुस्से में आकर बिल्ली को भी मार डाला है।

कोतवाली टीआई ने बताया कि आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। आरोपी चार-पांच साल से मानसिक रूप से ठीक नहीं था। मेडिकल जांच के बाद स्पष्ट हो पाएगा। आरोपी से वारदात को लेकर पूछताछ भी कर रहे हैं।

दरवाजा बंद था, शवों के पास बैठा था आरोपी

पड़ोसियों के मुताबिक गुरुवार दोपहर तक दरवाजा घर का दरवाजा नहीं खुला तो अनहोनी का शक हुआ। पड़ोसियों ने दरवाजा खटखटाया, लेकिन किसी ने नहीं खोला। जब ग्रामीण दरवाजा तोड़कर घर के अंदर गए, तो आरोपी दीपक धुर्वे घटनास्थल पर ही मौजूद था। इस दौरान वह तीनों शवों के पास चुपचाप बैठा मिला। मौके पर एक बिल्ली का शव भी मिला है। आशंका है कि बिल्ली को भी मार दिया है। वारदात की जानकारी पड़ोसियों ने फौरन कोतवाली पुलिस को दी। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पड़ोसियों ने पुलिस को बताया कि दीपक का मानसिक संतुलन पिछले 4-5 साल से ठीक नहीं था। वह हाल ही में नागपुर से इलाज कराकर लौटा था। वह परिवार में सबसे बड़ा है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक* संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433